RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2019-2021 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

INDORE 16 DECEMBER TO 22 DECEMBER 2020 प्रति बुधवार वर्ष 06 अंक 17 पृष्ठ 8 कीमत 5 रु.

Inside News

बीना रिफाइनरी में भारत पेट्रोलियम खरीद सकती है ओमान तेल की हिस्सेदारी Page 2

इनकम टैक्स रिटर्न भरने से पहले कर लें तैयारी, जुटा लें ये जरूरी डॉक्युमेंट्स Page 5

पियाजिओ इंडिया ने की अप्रिलिया एसएक्सआर 160 के प्री बुकिंग की शुरूआत Page 7

editoria!

बजट से इंडस्ट्री की उम्मीदें

संसद का शीतकालीन सत्र इस साल कोरोना की वजह से न करवाए जाने की घोषणा के बाद सबका ध्यान जनवरी में होने वाले बजट सत्र की ओर लग गया है। केंद्रीय बजट यूं भी इस बार जनवरी में ही संसद में पेश होना है, जिसकी तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने समाज के विभिन्न हिस्सों से बजटपूर्व बातचीत का सिलसिला शुरू कर दिया है। इसी क्रम में सोमवार को भारतीय उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने वित्त मंत्री से मुलाकात कर आगामी बजट से अपनी अपेक्षाएं बताईं। विचार विमर्श का यह सिलसिला अब बजट बनने तक चलता ही रहेगा। इस दौरान समाज और अर्थव्यवस्था के अलग-अलग हिस्से वित्त मंत्रालय को अपनी अपेक्षाओं से अवगत कराएंगे। इन तमाम तबकों की उम्मीदों पर खरा उतरने की चुनौती वित्त मंत्रालय के सामने हर साल होती है। मगर इस बार हालात असामान्य हैं और इसके चलते चुनौतियां भी कहीं ज्यादा गंभीर हैं। उद्योग जगत चूंकि अर्थव्यवस्था का सबसे मजबूत और समर्थ हिस्सा है, इसलिए संकट के मौजूदा दौर से देश को बाहर निकालने में भी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका इसी की होने वाली है। ऐसे में स्वाभाविक ही इंडस्ट्री के नुमाइंदों ने वित्त मंत्री से आग्रह किया है कि इस बार के बजट में ग्रोथ को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। ग्रोथ हालांकि हमेशा ही अर्थनीति के केंद्र में होती है, फिर भी इस बार के आग्रह की विशिष्टता सीआईआई और फिक्की के प्रतिनिधियों के इस आग्रह से समझी जा सकती है कि वित्त घाटे से जुड़ी चिंताओं को कुछ समय के लिए प्राथमिकता से बाहर किया जा सकता है। चूंकि मौजूदा हालात में ग्रोथ को आगे बढ़ाने वाला मुख्य कारक सरकार की ओर से दिया जाने वाला आर्थिक पैकेज ही हो सकता है, इसलिए वित्त घाटे को नियंत्रित रखने की नीति में थोड़ी ढील दिए बगैर यह लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता। बहरहाल, इंडस्ट्री ने जहां टैक्स रेवेन्यू में आई कमी के मद्देनजर सरकार को विनिवेश की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की जरूरत बताई है, वहीं शहरी गरीबों के लिए भी मनरेगा जैसी कोई योजना लाने और इनकम टैक्स रियायतें बढ़ाने जैसे सुझाव भी दिए हैं। जाहिर है, इन सारे सुझावों पर सरकार गंभीरता से विचार करेगी। इसके साथ ही यह ध्यान रखना भी जरूरी है कि ग्रोथ की अहमियत आज चाहे जितनी बढ़ी हुई लग रही हो, वित्तीय अनुशासन और वित्तीय संस्थानों की साख किसी भी सूरत में कमजोर नहीं पड़नी चाहिए। अभी सबसे बड़ी व्यावहारिक समस्या यह सूचना है कि 20 लाख करोड़ के राहत पैकेज में से कुल 2 लाख करोड़ ही हाल तक सरकारी खजाने से निकलकर लोगों और उद्यमियों की मदद में आ सके हैं। इसलिए पहली जरूरत तो घोषित राहत पैकेज का बाकी 90 फीसदी जमीन पर उतारने की है। बजट में यहां से आगे बढ़ते हुए जरूर यह सोचा जाना चाहिए कि देश का वित्त घाटा नियंत्रण में रहे और हमारे बैंकों तथा अन्य वित्तीय संस्थानों को बट्टेखाते के जंजाल से उबारने की प्रक्रिया पर इसका कोई विपरीत प्रभाव न पड़े।

इकॉनमी के लिए अच्छी खबर

एक और एजेंसी ने बढ़ाया ग्रोथ का अनुमान

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

ग्लोबल रेटिंग एजेंसी एसएंडपी (S&P) ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर निगेटिव 9 प्रतिशत से निगेटिव 7.7 प्रतिशत कर दिया। रेटिंग एजेंसी ने अर्थव्यवस्था में बढ़ती मांग और कोविड-19 संक्रमण दर (Covid-19 infection rate) में कमी के चलते अपने अनुमान को संशोधित किया है। एसएंडपी ने एक बयान में कहा, 'बढ़ती मांग और गिरती संक्रमण दरों ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोविड के प्रकोप के हमारे अनुमान को बदल दिया है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग ने मार्च 2021 में समाप्त होने वाले वित्त वर्ष के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि को निगेटिव नौ प्रतिशत से संशोधित करते हुए निगेटिव 7.7 प्रतिशत कर दिया है।' अमेरिका की रेटिंग एजेंसी ने कहा कि सितंबर तिमाही में उम्मीद से अधिक तेजी से सुधार होने के कारण वृद्धि पूर्वानुमान में बदलाव किया गया है।

पहले क्या था अनुमान

रेटिंग एजेंसी ने अगले वित्त वर्ष में वृद्धि दर के 10 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद जुलाई-सितंबर तिमाही में 7.5 प्रतिशत घट गया था, जो जबकि इससे पहले अप्रैल-जून तिमाही में यह गिरावट 23.9 प्रतिशत थी। एसएंडपी ने कहा कि भारत वायरस के साथ जीना सीख रहा है और संक्रमण के मामलों में कमी आई है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग एशिया-प्रशांत ने मुख्य अर्थशास्त्री शॉन रोचे ने कहा, 'एशिया-प्रशांत की ज्यादातर अर्थव्यवस्थाओं की तर्ज पर भारत में भी विनिर्माण क्षेत्र में तेजी से सुधार हो रहा है।' इससे पहले फिच ने इकॉनमिक रिवाइवल का हवाला देते हुए मौजूदा वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान निगेटिव 10.5 फीसदी से सुधारकर निगेटिव 9.4 फीसदी कर दिया था।

अमेरिका में तेल का भंडार बढ़ने से कच्चे तेल में गिरावट

भाव अभी भी 50 डॉलर के पार

नई दिल्ली। एजेंसी

यूएस में कच्चे तेल के भंडार में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जिससे बुधवार को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का रुख देखा जा रहा है। लेकिन, ब्रेंट क्रूड के दाम अब भी 50 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर बने हुए हैं। यूरोप में फिर से लॉकडाउन की घोषणा कर दी गई है, जिससे कच्चे तेल की खपत में कमी आने की आशंका जताई जा रही है। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 8 सेंट या 0.2 फीसदी गिरकर 50.68 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता हुआ नजर आया। जबकि यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड फ्यूचर्स 6 सेंट यानी 0.1 फीसदी गिरकर 47.55 डॉलर प्रति डॉलर पर नजर आया। वहीं, घरेलू बाजार में एमसीएक्स पर कच्चा तेल दिसंबर वायदा 10 रुपये यानी 0.29 फीसदी की तेजी के साथ 3500 रुपये प्रति बैरल पर कारोबार करता हुआ दिखाई दिया है। अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट (API) के अनुसार, अमेरिका में बीते सप्ताह कच्चे तेल का भंडार 20 लाख बैरल बढ़ गया। आधिकारिक सरकारी आंकड़ें बुधवार देर रात जारी होंगे। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) ने इस वर्ष तेल की मांग के अनुमान को संशोधित कर प्रति दिन 50,000 बैरल प्रति दिन और अगले साल 1 लाख 70 हजार बैरल रोजाना कर दिया है। एजेंसी का कहना है कि हवाई यात्रा पर प्रतिबंध की वजह से अगले साल जेट फ्यूल की मांग में कमी बनी रहेगी।

सरकार ने भारत में इलेक्ट्रॉनिक चिप संयंत्र स्थापित करने के प्रस्ताव मांगे

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने देश में इलेक्ट्रॉनिक चिप विनिर्माण इकाइयों की स्थापना और विदेशों में अर्धचालक बनाने वाली कंपनियों के अधिग्रहण के लिए प्रस्ताव मांगे हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने इस संबंध में मंगलवार को अभिरुचि पत्र जारी किया। इसमें कहा गया है कि सरकार भारत में अर्धचालक विनिर्माण इकाइयों की स्थापना में निवेश को प्रोत्साहित करने की इच्छुक है। अभिरुचि पत्र (ईओआई) दस्तावेज के मुताबिक, ''मंत्रालय भारत में अर्धचालक उपकरणों के विनिर्माण संयंत्र की स्थापना/ मौजूदा संयंत्रों के विस्तार, या भारत से बाहर अर्धचालक संयंत्रों के अधिग्रहण के लिए इच्छुक कंपनियों/ कंसोर्टियम से अभिरुचि (ईओआई) आमंत्रित करता है।'' इस संबंध में प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तारीख 31 जनवरी, 2021 तय की गई है।

बीना रिफाइनरी में भारत पेट्रोलियम खरीद सकती है ओमान तेल की हिस्सेदारी

नयी दिल्ली। एजेंसी

सार्वजनिक क्षेत्र की भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) का निदेशक मंडल मध्य प्रदेश में बीना रिफाइनरी परियोजना में ओमान ऑयल कंपनी की हिस्सेदारी खरीदने पर बृहस्पतिवार को विचार करेगा। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि बीपीसीएल का निदेशक मंडल भारत गैस रिर्सोसेज लिमिटेड का कंपनी में विलय करने पर भी विचार करेगा। बीपीसीएल की भारत ओमान रिफाइनरीज लि. (बीओआरएल) में 63.68 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यह मध्य प्रदेश के बीना में 78 लाख टन क्षमता की तेल रिफाइनरी का परिचालन कर रही है। सूचना के अनुसार कंपनी निदेशक मंडल 17 दिसंबर को बीओआरएल में ओक्यू एसएओसी (पूर्व में ओमान ऑयल कंपनी एसएओसी) से 36.62 प्रतिशत हिस्सेदारी लेने के प्रस्ताव पर विचार करेगा। इसके अलावा निदेशक मंडल मध्य प्रदेश सरकार से संपर्क कर बीओआरएल में उसके 2.69 करोड़ वॉरंट खरीदने के प्रस्ताव पर भी विचार करेगा। ओमान ऑयल ने हाल ही में बीओआरएल में अपनी हिस्सेदारी बेचने की रुचि दिखायी है। निजीकरण से बंधे भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) ने कहा है कि उसका बोर्ड गुरुवार को मध्य प्रदेश में बीना रिफाइनरी परियोजना में ओमान ऑयल कंपनी को खरीदने पर विचार करेगा। BPCL बोर्ड भारत गैस रिसोर्स लिमिटेड (BGRL) को अपने साथ विलय करने पर भी विचार करेगा। BPCL के पास भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड (BORL) में 63.68 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिसने मध्य प्रदेश के बीना में 7.8 मिलियन टन तेल रिफाइनरी का निर्माण और संचालन किया है। कंपनी बोर्ड 17 दिसंबर को 'OQ S.A.O.C (पूर्व में ओमान ऑयल सह S.A.O.C. के रूप में जाना जाता है) से BORL में 36.62 प्रतिशत इक्विटी शेयरों के अधिग्रहण के लिए 'इन-सिद्धांत' अनुमोदन के अनुसार एक प्रस्ताव पर विचार करेगा।' बोर्ड BORL में इसके द्वारा आयोजित 2.69 करोड़ वारंट प्राप्त करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार से संपर्क करने के प्रस्ताव पर भी विचार करेगा। बैठक में 'भारत गैस रिसोर्सेज लिमिटेड (BPCL की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी) BPCL के साथ विलय' पर भी विचार किया जाएगा।

पेट्रोलियम उत्पादों की मांग नवंबर में 3.6 प्रतिशत घटी, अक्टूबर में कोविड-पूर्व के स्तर पर पहुंची थी

नयी दिल्ली। एजेंसी

देश में ईंधन की मांग नवंबर में सालाना आधार पर 3.6 प्रतिशत घट गई। हालांकि, इससे पिछले महीने अक्टूबर में ईंधन खपत सामान्य स्तर पर पहुंच गई थी, लेकिन नवंबर में यह फिर नीचे आ गई। पेट्रोलियम मंत्रालय के योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ द्वारा प्रकाशित अस्थायी आंकड़ों के अनुसार नवंबर में पेट्रोलियम उत्पादों की कुल मांग घटकर 1.78 करोड़ टन रह गई, जो नवंबर, 2019 में 1.85 करोड़ टन थी। हालांकि, परिवहन और कारोबारी गतिविधियों में सुधार से ईंधन की खपत माह-दर-माह आधार पर लगातार तीसरे महीने बढ़ी है। अक्टूबर में देश में ईंधन की खपत 1.77 करोड़ टन रही थी। फरवरी के बाद अक्टूबर पहला महीना रहा जबकि सालाना आधार पर ईंधन की मांग बढ़ी थी। त्योहारी सीजन से पहले डीजल की मांग बढ़ने से अक्टूबर में ईंधन की कुल मांग कोविड-19 पूर्व के स्तर पर पहुंच गई थी। अक्टूबर में सालाना आधार पर पेट्रोलियम उत्पादों की मांग में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। पेट्रोल की खपत सितंबर में ही कोविड-पूर्व के स्तर पर पहुंच गई थी। वहीं, डीजल की खपत अक्टूबर में सामान्य हो पाई थी। हालांकि, नवंबर में मांग में फिर गिरावट आई है। अक्टूबर में जहां डीजल की मांग में सालाना आधार पर 7.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी, वहीं नवंबर में यह 6.9 प्रतिशत घटकर 70.4 लाख टन रह गई है। मासिक आधार पर हालांकि मांग में मामूली सुधार हुआ है। अक्टूबर में यह 69.9 लाख टन रही थी। कोरोना वायरस महामारी पर अंकुश के लिए अप्रैल में लॉकडाउन के चलते ईंधन की मांग में 49 प्रतिशत की भारी गिरावट आई थी। औद्योगिक ईंधन के रूप में इस्तेमाल होने वाले नाफ्था की मांग नवंबर में 7.7 प्रतिशत बढ़कर 13 लाख टन पर पहुंच गई। इसी तरह सड़क निर्माण में काम आने वाले बिटुमेन की मांग 18 प्रतिशत बढ़कर 6,92,000 टन पर पहुंच गई। एलपीजी एकमात्र ईंधन है जिसकी मांग लॉकडाउन के दौरान भी बढ़ी थी। सरकार ने इस दौरान गरीबों को मुफ्त में रसोई गैस सिलेंडर दिए थे। नवंबर में एलपीजी की मांग चार प्रतिशत बढ़कर 23 लाख टन पर पहुंच गई। हालांकि, मासिक आधार पर इसमें 2.8 प्रतिशत की गिरावट आई है। विमान ईंधन एटीएफ की बिक्री नवंबर में करीब 50 प्रतिशत घटकर 3,72,000 टन रही है। इसकी वजह है कि अभी एयरलाइंस का परिचालन सामान्य नहीं हो पाया है। हालांकि, मासिक आधार पर एटीएफ की मांग पांच प्रतिशत सुधरी है।

रसायन, पेट्रोरसायन की मांग सालाना 9 प्रतिशत की दर से बढ़ेगीः गौड़ा

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

रसायन एवं उर्वरक मंत्री डी वी सदानंद गौड़ा ने मंगलवार को कहा कि रसायन एवं पेट्रोरसायन की मांग सालाना 9 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है और 2025 तक उद्योग का आकार बढ़कर 300 अरब डॉलर का हो जाने का अनुमान है। उद्योग मंडल एसोचैम के सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि भारतीय रसायन उद्योग पिछले डेढ़ दशक में एक उच्च विनियमित बाजार में प्रमुख रसायनों के विनिर्माण से एक उदारीकृत अर्थव्यवस्था में एक परिपक्व उद्योग के रूप में तब्दील हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत में ज्यादातर उत्पादित रसायन कच्चे माल के रूप में हैं जिनका उपयोग उर्वरक, दवा, कपड़ा और प्लास्टिक, कृषि रसायन, पेंट समेत विभिन्न विनिर्माण कार्यों में होता है। इनका अंतिम रूप से उपयोग करने वाले वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स, डिब्बा बंद खाद्य पदार्थ और कपड़ा जैसे क्षेत्र देश में विशेष रसायन उद्योग को गति दे रहे हैं। गौड़ा ने कहा, "मजबूत घरेलू मांग के साथ घरेलू और विदेशी कंपनियों के बड़े पैमाने पर निवेश उद्योग को नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं।" मंत्री ने कहा कि खर्च योग्य आय बढ़ने, आबादी की औसत उम्र, शहरीकरण और दूर-दराज के क्षेत्र में पहुंच बढ़ने एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बढ़ती मांग रसायन एवं पेट्रोरसायन क्षेत्र की वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, "उत्पादन और खपत एशियाई और दक्षिण पूर्व एशिया में बढ़ रही है, ऐसे में रसायन और पेट्रोरसायन की मांग में सालाना 9 प्रतिशत की दर से वृद्धि का अनुमान है। यह अनुमानित जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर से कहीं अधिक है। इस दर से वृद्धि के साथ 2025 तक उद्योग का आकार 300 अरब डॉलर का हो जाएगा।" गौड़ा ने कहा कि उद्योग का आकार 2018 में 163 अरब डॉलर था। यह विनिर्माण क्षेत्र की जीवीए (सकल मूल्य वर्धन) में 13.4 प्रतिशत और राष्ट्रीय जीवीए में 2.4 प्रतिशत का योगदान दे रहा था। क्षेत्र में 20 लाख कर्मचारी कार्यरत हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय रसायन और पेट्रोरसायन उद्योग की अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका है। गौड़ा ने कहा कि सत्ता में आने वाले सरकारों ने इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिये कई कदम उठाये हैं। खतरनाक रसायनों और कुछ खास तरह की दवाओं को छोड़कर इस क्षेत्र के लिये लाइसेंस लेने की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है। नुकसानदायक रसायानों को छोड़कर अन्य सभी रसायनों के क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति दी गई है। उद्यमियों को स्वतः मंजूरी मार्ग के तहत औद्योगिक उद्यमी ज्ञापन (आईईएम) का रास्ता अपनाते हुये रसायन उद्योग लगाने की अनुमति दी गई है।

एचएमएसआई ने गुजरात में हजीरा-घोघा अंतर्देशीय जलमार्ग का इस्तेमाल शुरु किया

नयी दिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने मंगलवार को कहा कि वह हजीरा-घोघा रो- पैक जलपोत सेवा के जरिये उत्पादों का परिवहन करने वाली देश की पहली ऑटोमोबाइल कंपनी बन गई है। यह जलमार्ग सेवा इंडिगो सीवेज के सहयोग से चलाई जा रही है। इस जलमार्ग का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में उद्घाटन किया। एचएमएसआई ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने कर्नाटक के नरसापुरा संयंत्र से नौवहन सेवा का उपयोग करते हुये गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में वेरावल (सोमनाथ के पास) तक अपनी पहली दोपहिया वाहनों की खेप भेजी है। माल ढुलाई के लिये इस जलमार्ग का उपयोग करते हुए, कर्नाटक कारखाने से सौराष्ट्र क्षेत्र में पहुंचने वाली कंपनी के नए दोपहिया वाहनों के सुपुर्दगी का समय और दूरी काफी कम हुई है। कंपनी ने कहा कि पहले के सड़क मार्ग की तुलना में इस जलमार्ग से माल पहुंचाने के समय में दो दिन कम लगे हैं और 465 किलोमीटर की दूरी कम हुई है। एचएमएसआई के निदेशक (बिक्री एवं विपणन) यादविंदर सिंह गुलेरिया ने कहा, "होंडा में हमारा मानना है कि हमारे पास अपने उत्पादों और व्यवसाय के संचालन के पर्यावरणीय प्रभावों को कम करते हुए लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए हमारे नवाचारों, प्रौद्योगिकियों और पहलों को अमल में लाने की जिम्मेदारी है।"

ईपीएफओ ने कोविड- 19 से जुड़े 52 लाख दावे निपटाये, 13,300 करोड़ रुपये वितरित

नयी दिल्ली। एजेंसी

सेवा निवृत्ति कोष का संचालन करने वाली संस्था ईपीएफओ ने कोरोना वायरस संक्रमण के दौरान भविष्य निधि खातों से धन निकालने के 52 लाख मामलों का निपटारा किया। इसके तहत 13,300 करोड़ रुपये की राशि आवेदकों को जारी की गई। यह राशि बिना वापसी के अग्रिम दावे के तौर पर जारी की गई। श्रम मंत्री संतोष गंगवार ने बुधवार को यह जानकारी दी। सरकार ने इस साल मार्च में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से जुड़े छह करोड़ से अधिक अंशधारकों को उनके भविष्य निधि खाते से महंगाई भत्ते सहित अधिकतम तीन माह का मूल वेतन निकालने की अनुमति दे दी थी। महामारी के दौरान लगाये

गये लॉकडाउन को देखते हुये भविष्य निधि अंशधारकों को यह सुविधा दी गई। वाणिज्य एव उद्योग मंडल एसोचैम के स्थापना सप्ताह कार्यक्रम को संबोधित करते हुये गंगवार ने कहा कि महामारी के दौरान ईपीएफओ ने 52 लाख कोविड- 19 निकासी दावों को निपटान किया और आवेदकों को 13,300 करोड़ रुपये जारी किये। गंगवार ने कहा कि देश ने पूरी बहादुरी के साथ महामारी का मुकाबला किया है। केन्द्र सरकार ने महामारी के दौरान समाज के आर्थिक रूप से कमजोर तबके को सहारा देने के लिये 26 मार्च को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेवाय) की भी शुरुआत की। सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) से निकासी का प्रावधान भी किया और इस संबंध में एक आवश्यक अधिसूचना जारी की गई। इसके तहत ईपीएफ धारकों को उनके खाते से महंगाई भत्ता सहित तीन माह के मूल वेतन के बराबर अथवा कर्मचारी के खाते में उपलब्ध भविष्य निधि का 75 प्रतिशत तक जो भी कम होगा, उसकी बिना- वापसी सुविधा के निकासी का प्रावधान किया गया। श्रम कानूनों के क्रियान्वयन के मामले में उन्होंने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से कहा कि वह तीन श्रम संहिताओं को अमल में लाने के लिये तैयार किये गये मसौदा नियमों पर अपनी प्रतिक्रिया और सुझाव सरकार को भेजें। सरकार ने औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल पर स्वास्थ्य सुरक्षा एवं कामकाज परिस्थितियों को लेकर नये श्रम कानून बनाये हैं। सरकार ने इन कानूनों को अमल में लाने के लिये नियमों का मसौदा जारी किया है और संबद्ध पक्षों से उनके सुझाव और प्रतिक्रिया मांगी है। ये कानून संसद के मानसून सत्र में पारित किये गये थे। इससे पहले श्रम संहिता को 2019 में पारित कर दिया गया था। इसके नियम पहले ही तैयार हो चुके हैं। सरकार का इरादा सभी चारों कानूनों को एक अप्रैल 2021 से एक साथ लागू करने का है।

सरकार की ताबड़तोड़ कार्रवाई

दो महीने में 1.63 लाख जीएसटी रजिस्ट्रेशन कैंसल

नई दिल्ली। एजेंसी

कर अधिकारियों ने रिटर्न दाखिल नहीं करने पर अक्टूबर और नवंबर में 1.63 लाख से अधिक उद्यमियों के जीएसटी पंजीकरण (उएऊ ुर्ग्रिदह) को निरस्त कर दिया। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सूत्रों ने कहा कि 21 अगस्त से 16 नवंबर 2020 के बीच 720 को डीम्ड (व्यावहारिक रूप से मान्य) आधार पर पंजीकरण दिया गया। इनमें आधार की पुष्टि नहीं होने की वजह से ऐसा किया गया। 55 के मामलों में विसंगतियों की पहचान हुई है। उनके मामले में निरस्तीकरण (ण्हमर्त्रूदह) की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सूत्रों ने बताया कि फर्जी कंपनियों, रातों-रात मुनाफा कमाने की फिराक

में रहने वालों और कारोबार को आपस में घुमाकर दिखाने वाले नकली कारोबारियों से निपटने के लिये जीएसटी के फील्ड अधिकारियों ने अक्टूबर और नवंबर के दौरान 1,63,042 पंजीकरण निरस्त कर दिए। इन लोगों ने छह माह से भी अधिक समय तक जीएसटीआर-3बी रिटर्न दाखिल नहीं की थी। इसके साथ ही एक दिसंबर 2020 को जिन करदाताओं ने छह माह से अधिक समय तक अपनी जीएसटीआर- 3बी रिटर्न दाखिल नहीं की है, ऐसे 28,635 करदाताओं की पहचान की गई है और इस मामले में सभी जीएसटी आयुक्त कार्यालयों को स्वयं ही निरस्तीकरण की प्रक्रिया शुरू करने को कहा गया है।

राज्यों को जीएसटी की सातवीं किस्त जारी केंद्र ने जारी किए 6000 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

राज्य सरकारों की ओर से लगातार केंद्र की मोदी सरकार से जीएसटी बकाया की मांग की जा रही थी। इस बीच केंद्र की मोदी सरकार ने राज्यों को जीएसटी का बकाया जारी कर दिया है। मोदी सरकार ने राज्यों को जीएसटी क्षतिपूर्ति की कमी को पूरा करने के लिए 6,000 करोड़ रुपये की जीएसटी की 7वीं किस्त जारी की है। केंद्र सरकार ने जीएसटी क्षतिपूर्ति के लिए 6000 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। इसके तहत सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अब तक सात किस्तों में 42000 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। यह उन्हें दी गई 1,06,830 रुपये के उधार अनुमति के अतिरिक्त है। कुल 5516.60 करोड़ रुपये 23 राज्यों को जारी किए गए हैं। इसके अलावा 483.40 करोड़ रुपये तीन विधानसभा क्षेत्रों (जम्मू-कश्मीर, दिल्ली और पुडुचेरी) को जारी किए हैं जो कि जीएसटी परिषद के सदस्य हैं। बता दें कि केंद्र सरकार ने जीएसटी के कार्यान्वयन के कारण राजस्व में 1.10 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित कमी को पूरा करने के लिए इस साल अक्टूबर में एक विशेष उधार विंडो की स्थापना की थी। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की ओर से केंद्र के जरिए शुरू किए गए इस विंडो के माध्यम से उधार लिया जा रहा है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि अब जारी की गई राशि राज्यों को प्रदान की गई धनराशि की 7वीं किस्त थी। इस सप्ताह यह राशि 5.1348 प्रतिशत की ब्याज दर पर उधार ली गई है।

जीएसटीएन ने अपने पोर्टल पर शुरू की करदाताओं के बीच संवाद सुविधा

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

जीएसटी नेटवर्क ने सोमवार को कहा कि उसने अपने पोर्टल पर करदाताओं के बीच संवाद की सुविधा शुरू की है। जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन) ने एक बयान में कहा, ''नई सुविधा करदाताओं के लिये संवाद का मंच उपलब्ध कराएगी। इसके जरिये प्राप्तकर्ता / क्रेता अपने आपूर्तिकर्ता से उस विशेष बिल को अपलोड करने के लिए कह सकता है जिसे अपलोड नहीं किया गया है लेकिन प्राप्तकर्ता को इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) प्राप्त करने के लिए यह आवश्यक है।'' अब कंपनियां अपने आपूर्तिकर्ता से जीएसटीएन पोर्टल पर बिल अपलोड करने या अन्य किसी प्रकार की कमी के बारे में बता सकते हैं। इसके अलावा आपूर्तिकर्ता इस सुविधा के जरिये अपने आपूर्तिकर्ता को जवाब भेज सकते हैं। इसी प्रकार, आपूर्तिकर्ता, संबंधित प्राप्तकर्ता को भी किसी दस्तावेज को आपूर्ति ब्योरा में अपलोड करने के बारे में सूचना भेज सकता है जिसे जीएसटीआर-1 में भरा गया है। जीएसटीएन ने कहा कि जब कभी कोई सूचना करदाता दूसरे करदाता को भेजेगा, जीएसटीएन भी ई-मेल और मोबाइल फोन पर एसएमएस के जरिये उसकी जानकारी देगा। इस सुविधा से बिलों के मिलान में करदाताओ को मदद मिलने की उम्मीद है।

जीएसटीएन ने नवंबर ने स्वतः चालित जीएसटीआर-3बी को लागू किया

नयी दिल्ली। जीएसटी नेटवर्क ने रविवार को कहा कि व्यवसायिक इकाइयों को अब प्रणाली से स्वतः सृजित मासिक बिक्री रिटर्न फॉर्म जीएसटीआर-3बी का उपयोग कर सकते हैं। वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) ने कहा, ''करदाताओं की सुविधा के लिए अब प्रणाली जीएसटीआर-1 में दिए गए ब्यौरे के आधार पर स्वतः जीएसटीआर-3बी (मासिक) और आईटीसी स्टेटमेंट जीएसटीआर-2बी का ड्राफ्ट तैयार कर सकेगी।'' व्यवसायों द्वारा दाखिल किए गए आपूर्ति रिटर्न जीएसटीएन-1 के आधार पर जीएसटीएन अपने आप देनदारी की गणना कर लेगा, जबकि प्रणाली द्वारा तैयार किए गए मसौदा स्टेटमेंट जीएसटीआर-2बी से इनपुट क्रेडिट टैक्स (आईटीसी) की गणना होगी। जीएसटीएन ने कहा, ''यदि किसी विशेष अवधि की कुल देयता नकारात्मक है, तो उसे स्वतः गणना में शून्य देनदारी माना जाएगा।''

निर्यात नवंबर महीने में 8.74 प्रतिशत घटा, व्यापार घाटा कम होकर 9.87 अरब डॉलर पर आया

नयी दिल्ली। एजेंसी

देश के निर्यात में लगातार दूसरे महीने गिरावट आयी है। नवंबर महीने में निर्यात 8.74 प्रतिशत घटकर 23.52 अरब डॉलर रहा। मुख्य रूप से पेट्रोलियम, इंजीनियरिंग, रसायन और रत्न एवं आभूषण जैसे प्रमुख क्षेत्रों के निर्यात घटने से कुल निर्यात कम रहा है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़े के अनुसार आयात में लगातार नौवें महीने गिरावट आयी है। आलोच्य महीने में आयात 13.32 प्रतिशत घटकर 33.39 अरब डॉलर रह गया। इससे व्यापार घाटा कम होकर 9.87 अरब डॉलर रह गया। एक साल पहले नवंबर 2019 में यह 12.75 अरब डॉलर था हालांकि, व्यापार घाटा (आयात और निर्यात के बीच अंतर) अक्टूबर महीने के 8.78 अरब डॉलर के मुकाबले बढ़ा है। देश का निर्यात नवंबर 2019 में 25.77 अरब डॉलर रहा था। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के आठ माह की अवधि के दौरान निर्यात 17.76 प्रतिशत घटकर 173.66 अरब डॉलर रहा जबकि आयात 33.55 प्रतिशत कम होकर 215.69 अरब डॉलर रह गया। इससे व्यापार घाटा चालू वित्त वर्ष 2020-21 के पहले आठ महीनों में 42 अरब डॉलर रहा जो एक साल पहले इसी अवधि में 113.42 अरब डॉलर था। आंकड़े के अनुसार नवंबर महीने में तेल आयात 43.36 प्रतिशत घटकर 6.27 अरब डॉलर रहा। चालू वित्त वर्ष में पहले आठ महीने के दौरान आयात 48.7 प्रतिशत घटकर 44.11 अरब डॉलर रहा। नवंबर महीने में जिन क्षेत्रों के निर्यात में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें पेट्रोलियम उत्पाद (-59.73 प्रतिशत), चमड़ा (-29.8 प्रतिशत), काजू (-24.53 प्रतिशत), प्लास्टिक और लिनोलियम (-23.26 प्रतिशत), समुद्री उत्पाद (-16 प्रतिशत), तिलहन (-15.2 प्रतिशत), मानव निर्मित धागा/कपड़ा/मेड अप (-11 प्रतिशत), इंजीनियरिंग सामान (-8.12 प्रतिशत), रसायन (-8 प्रतिशत) कॉफी (-1.27 प्रतिशत) और सिले-सिलाये कपड़े (-1.19 प्रतिशत) शामिल हैं। हालांकि, ऑयल मिल, लौह अयस्क, चावल, सेरेमिक उत्पाद और हस्तशिल्प के निर्यात में अच्छी वृद्धि दर्ज की गयी। आंकड़े के अनुसार सोने का आयात करीब 3 प्रतिशत बढ़कर 3 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के बारे में भारतीय व्यापार संवर्धन परिषद (टीपीसीआई) के संस्थापक चेयरमैन मोहित सिंगला ने कहा कि मुख्य रूप से पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में गिरावट से कुल मिलाकर निर्यात घटा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के निर्यात में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अध्यक्ष शरद कुमार सर्राफ ने कहा कि आपूर्ति संबंधी बाधाओं के कारण निर्यात घटा है। इसमें कंटनेरों की आवाजाही पर पाबंदी और पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में गिरावट शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''इसके अलावा कुछ राज्यों में किसानों के आंदोलन से भी आलोच्य महीने में निर्यात पर असर पड़ा। निर्यात में पुनरूद्धार के संकेत हैं क्योंकि आर्डर बुकिंग की स्थिति लगातार सुधर रही है। कुछ और नये आर्डर आ रहे हैं।'' सर्राफ ने कहा, ''अगर यह प्रवृत्ति जारी रही, हमारा अनुमान है कि 2020-21 में वस्तु निर्यात 290 अरब डॉलर तक पहुंच जायेगा।''

शेयर बाजार नई ऊंचाई पर

सेंसेक्स 46,666 और निफ्टी 13,682 के रिकॉर्ड हाई पर बंद

BSE का मार्केट कैप भी पहली बार 185 लाख करोड़ के पार

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

चौतरफा खरीदारी से बुधवार को शेयर बाजार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचकर बंद हुआ। सेंसेक्स 403.29 अंकों की शानदार बढ़त के साथ 46,666.46 पर और निफ्टी 114.85 अंकों की उछाल के साथ 13,682.70 पर बंद हुआ। क्लोजिंग के लिहाज से दोनों इंडेक्स का यह हाईएस्ट लेवल है। सेंसेक्स की तेजी में बड़ी हिस्सेदारी एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक, ऊएए, इंफोसिस और भारती एयरटेल के शेयरों की रही। रिकॉर्ड बढ़त के चलते ऍ में लिस्टेड कंपनियों का टोटल मार्केट कैप भी पहली बार 185.11 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। हालांकि, कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 46,704.97 और निफ्टी ने 13,692.35 के स्तर को टच किया। यह दोनों इंडेक्स का ऑलटाइम हाई लेवल है। बाजार की तेजी में मेटल और रियल्टी शेयरों की ज्यादा भागीदारी रही। निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 5ऊ और मेटल इंडेक्स 1.79ऊ ऊपर बंद हुए हैं। इसके अलावा ऑटो और फार्मा शेयरों में भी अच्छी बढ़त दर्ज की गई।

चर्चित स्टॉक्स

बुधवार को बीएसई में बर्गर किंग के शेयर में खुलते ही अपर सर्किट लगा और अंत में शेयर 200 रुपए के करीब बंद हुआ है। इसके अलावा जेट एयरवेज के शेयर में भी अपर सर्किट लगने के

बाद 101 रुपए के भाव पर बंद हुआ है। पंजाब नेशनल बैंक का शेयर 6.54% टूट कर 37.90 रुपए पर बंद हुआ है। दरअसल, बैंक ने सात हजार करोड़ रुपए के QIP के लिए 37.35 रुपए फ्लोर प्राइस तय किया है। इसका असर आज शेयरों पर भी रहा। BSE में IRCTC का शेयर 1.15% नीचे 1424 रुपए के भाव पर बंद हुआ है। यह बीते एक हफ्ते में 11% नीचे फिसल चुका है। 9 दिसंबर को शेयर 2.70% नीचे 1,439 रुपए के भाव पर बंद हुआ था। शेयर में गिरावट की प्रमुख वजह सरकार द्वारा ऑफर फॉर सेल (OFS) के माध्यम से अपनी हिस्सेदारी बेच रही है। ध्एए के बाद कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी 87.4% से घटकर 67.4% हो जाएगी।

BSE का मार्केट कैप 185.11 लाख करोड़ रुपए रहा।

3,198 कंपनियों के शेयरों में ट्रेडिंग हुई। इसमें 1,859 कंपनियों के शेयरों में बढ़त और 1,165 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। 325 कंपनियों के शेयर 1 साल के उच्च स्तर और 46 कंपनियों के शेयर एक साल के निम्न स्तर पर रहे। 471 कंपनियों के शेयर में अपर सर्किट और 204 कंपनियों के शेयर में लोअर सर्किट लगा।

एशियाई बाजारों में तेजी

अमेरिकी बाजारों में तेजी का असर आज एशियाई बाजारों में भी नजर आ रहा। इसमें हॉन्गकॉन्ग का हेंगसेंग इंडेक्स 254 अंकों की बढ़त के साथ 26,461 पर बंद हुआ है। जापान का निक्केई इंडेक्स 69 अंक ऊपर 26,757 पर बंद हुआ। वहीं दिनभर तेजी के साथ कारोबार कर रहा चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स अंत में फ्लैट 3,366 पर बंद हुआ है।

मंगलवार को बाजार में रही सुस्ती

कल सेंसेक्स 9.71 अंक ऊपर 46,263.17 पर और निफ्टी 9.70 अंक ऊपर 13,567.85 पर बंद हुआ था। इसके अलावा निफ्टी ऑटो और मेटल इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए थे। मंगलवार को निफ्टी इंडेक्स के टॉप गेनर फाइनेंशियल शेयर रहे। निफ्टी इंडेक्स में बजाज फाइनेंस का शेयर 5% ऊपर बंद हुआ था। बजाज फिनसर्व के शेयरों में भी 4% की तेजी रही। दूसरी ओर FMCG सेक्टर में गिरावट के चलते नेस्ले इंडिया और HUL के शेयरों में 2-2% से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई थी।

यूरोप के बाजारों में तेजी

कल यूरोपियन मार्केट में खरीदारी रही। जर्मनी का DAX इंडेक्स भी 139 अंक ऊपर 13,362 पर बंद हुआ था। हालांकि, फ्रांस का CAC इंडेक्स फ्लैट 5,530 पर बंद हुआ था। लेकिन ब्रिटेन का FTSE इंडेक्स 18 अंकों की गिरावट के साथ 6,513 पर बंद हुआ था।

अमेरिकी बाजारों में तेजी

अमेरिका में कोविड-19 से संबंधित राहत पैकेज का ऐलान जल्द हो सकता है। कल ळए सीनेट मेजॉरिटी लीडर मिच मैक्कनेल ने कहा कि सहमति बनते ही इस पर जल्द समझौता होगा। इससे मंगलवार को अमेरिकी बाजारों में शानदार तेजी देखने को मिली। डाउ जोंस इंडेक्स 1.13% की बढ़त के साथ 337 अंक ऊपर 30,199 पर बंद हुआ था। S&P 500 इंडेक्स भी 47 अंक ऊपर 3,694 पर बंद हुआ था। इसके अलावा नैस्डैक इंडेक्स भी 155 अंकों की बढ़त के साथ 12,595 पर बंद हुआ।

मप्र में आम जनता को एक और झटका

पेट्रोल, डीजल, LPG पर अब 'Cow मे' लगाने की तैयारी

नई दिल्ली। एजेंसी

पेट्रोल, डीजल की कीमतें आसमान पर हैं। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें एक्साइज और वैट के जरिए पेट्रोल डीजल की कीमतों पर 50 रुपये से ज्यादा टैक्स वसूलती हैं। ग्लोबाल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतें गिरने के बावजूद घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के भाव दो साल के ऊंचे स्तर पर हैं, उल्टा मध्य प्रदेश सरकार अलग से एक टैक्स लगाने की तैयारी में हैं। मध्य प्रदेश वाकई में गजब है, यहां कि शिवराज सिंह चौहान सरकार पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस (LPG) सिलेंडर पर 'गौमाता उपकर' (cow cess) लगाने की योजना पर काम कर रही है। राज्य सरकार को उम्मीद है कि इस नए सेस से उसे हर साल 200 करोड़ रुपये की कमाई होगी। इस नए सेस से मिली रकम का इस्तेमाल गायों के कल्याण के लिए किया जाएगा। मध्य प्रदेश राज्य के पशुपालन विभाग ने यह प्रस्ताव तैयार किया है। विभाग ने पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा का उदाहरण देते हुए कहा है कि यहां पहले से ही गाय उपकर वसूला जा रहा है। पशुपालन विभाग ने पेट्रोल और डीजल पर प्रति लीटर 15 पैसे ण्दै णे लगाने का प्रस्ताव दिया है। पेट्रोल, डीजल के अलावा मध्य प्रदेश सरकार रसोई गैस सिलेंडर पर भी 10 रुपये प्रति सिलेंडर का गाय उपकर लगाने की तैयारी में है। विभाग ने इसके लिए भी प्रस्ताव दिया है। इस गौमाता सेस से राज्य सरकार को उम्मीद है कि उन्हें अच्छा राजस्व इकट्ठा होगा। पेट्रोल और डीजल पर गौमाता उपकर से एक साल में 120 करोड़ रुपये, जबकि रसोई गैस सिलेंडर से 83 करोड़ रुपये मिलने का अनुमान है। आपको बता दें कि 20 नवंबर को गाय मंत्रिमंडल गठित किया गया था, इस बैठक की अध्यक्षता खुद मुख?यमंत्री चौहान ने की थी। उन्होंने कहा था कि गौमाता सेस से भारतीय संस्कृति को बचाने में मदद मिलेगी।

कोविड-19: सिप्ला ने प्रीमियर मेडिकल कॉरपोरेशन के साथ साझेदारी की

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

दवा कंपनी सिप्ला ने बुधवार को कहा कि उसने भारत में कोविड-19 की रैपिट एंटीजन परीक्षण किट की पेशकश के लिए प्रीमियर मेडिकल कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी की है। सिप्ला ने शेयर बाजार को बताया कि इस साझेदारी के तहत सिप्ला सार्स-सीओवी-टू एंटीजन की पहचान के लिए रैपिड एंटीजन जांच परीक्षण किट का विपणन करेगी। कंपनी ने बताया कि इस परीक्षण किट को 'सिपटेस्ट' ब्रांड नाम के साथ पेश किया जाएगा।

इनकम टैक्स रिटर्न भरने से पहले कर लें तैयारी, जुटा लें ये जरूरी डॉक्युमेंट्स

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

वित्त वर्ष 2019-20 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख 31 दिसंबर में अब कुछ ही दिन बाकी हैं। हमारी सलाह यह है कि लास्ट डेट तक जाने की बजाय आप अभी यह काम निपटा लें तो बेहतर रहेगा। आपके लिए यह जान लेना महत्वपूर्ण है कि आईटीआर दाखिल करने से पहले आपको कौन-कौन से डॉक्युमेंट या सर्टिफिकेट निकालकर तैयार रखने की जरूरत है। वैसे तो खुद ऑनलाइन रिटर्न भरने में किसी दस्तावेज को लगाने की जरूरत नहीं होती, लेकिन आपको ब्योरा देना होता है। हां, अगर आप किसी सीए से आईटीआर दाखिल कराते हैं तो आपको उसे सारे दस्तावेज की कॉपी देनी होगी। जानें वित्त वर्ष और आकलन वर्ष का फर्कः कोरोना वायरस के कारण सरकार ने वित्त वर्ष 2019-20 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई से बढ़ाते हुए 31 दिसंबर तक कर दी है। सबसे पहले आपको यह जानना चाहिए कि वित्त वर्ष और आकलन वर्ष यानी फाइनेंशियल ईयर और असेसमेंट ईयर में क्या फर्क है।

वित्त वर्ष या फाइनेंशियल ईयर वह साल होता है जिसके लिए आप इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल कर रहे हैं। दूसरी तरफ, आकलन वर्ष वह होता है जिसमें आप टैक्स रिटर्न दाखिल करते हैं और जिस साल में यह आकलन किया जा रहा होता है कि आपको कितना टैक्स रिटर्न मिलना है। 31 दिसंबर तक आप जो रिटर्न दाखिल करने जा रहे हैं, वह वित्त वर्ष 2019-20 के लिए है और इसके लिए आकलन वर्ष 2020-21 होगा।

वेतनभोगी लोग इनकम टैक्स रिटर्न के लिए ITR-1 या ITR-2 का इस्तेमाल करते हैं. वैसे तो ये फॉर्म ऑनलाइन उपलब्ध हैं और इनकम टैक्स रिटर्न की ई-फाइलिंग आसान हो गई है, लेकिन इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि आपके पास सभी दस्तावेज मौजूद हों। अगर कोई दस्तावेज मौजूद नहीं है तो उसे निकलवाने के लिए आपके पास अभी समय भी है। यह दस्तावेज वित्त वर्ष 2019-20 का होना चाहिए।

फार्म 16 और सैलरी स्लिपः आईटीआर फॉर्म भरने से पहले टैक्सपेयर को कंपनी की ओर से मिलने वाला फॉर्म-16 (Form-16) हासिल कर लेना चाहिए। इसमें करदाता की आय और निवेश का पूरा ब्योरा रहता है। इससे यह पता चलता है कि कर्मचारी का टीडीएस कटा है और संबंधित अथॉरिटी में उसे जमा किया गया है। इसके अलावा सैलरी स्लिप की जरूरत भी पड़ती है, क्योंकि आईटीआर 2 में सैलरी का ब्योरा मांगा जाता है जैसे बेसिक कितना है, डीए, एचआरए आदि कितना है।

ब्याज आय से संबंधित सर्टिफिकेटः अगर आपने बैंक या पोस्ट ऑफिस में डिपॉजिट किया है और उस पर आपको ब्याज के रूप में आमदनी हो रही है तो ब्याज का सर्टिफिकेट जुटा लेना चाहिए। ईयर के दौरान किए गए सभी तरह के निवेश के दस्तावेज आईटीआर भरते समय अपने पास होने चाहिए। बैंक या पोस्ट ऑफिस से हुई सालाना 10 हजार रुपये तक की ब्याज आय धारा 80TTA के तहत करमुक्त होती है। इसी तरह वरिष्ठ नागरिकों की ऐसी 50 हजार रुपये तक की आय कर मुक्त होती है। इसके लिए आपको बैंक का अपडेट स्टेटमेंट या पासबुक, एफडी पर लगे ब्याज आय का स्टेटमेंट और बैंक द्वारा जारी टीडीएस सर्टिफिकेट हासिल करना होगा।

टैक्स बचाने वाले निवेश के प्रमाणपत्रः इस दौरान किए गए सभी तरह के निवेश के दस्तावेज आईटीआर भरते समय जुटा लेने चाहिए। टैक्स बचाने के लिए आयकरदाता कई तरह के निवेश करते हैं। इन निवेश से उनकी टैक्स देनदारी कम होती है। सबसे ज्यादा ऐसे निवेश विकल्प आयकर की धारा 80 सी के तहत मौजूद हैं।

टैक्स एक्सपर्ट बलवंत जैन बताते हैं, 'धारा 80 ण के तहत आप कई साधनों में 1.5 लाख रुपये तक के निवेश को अपनी टैक्सेबल इनकम से घटा सकते हैं। इस धारा के तहत निवेश वाले साधनों में ईपीएफ, पीपीएफ, लाइफ इंश्योरेंस प्रीमियम, नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट, नेशनल पेंशन सिस्टम, ईएलएसस, बच्चों की स्कूली फीस आदि आते हैं। इसके अलावा धारा 80 डी के तहत हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम भी साल भर में 25 हजार रुपये तक आयकर मुक्त होता है। इसके अलावा एनपीसी में 50 हजार रुपये का अतिरिक्त निवेश कर आप टैक्स बचत कर सकते हैं।

वहीं, अगर आपने घर खरीदने के लिए होम लोन लिया है तो लोन स्टेटमेंट अपने पास रखें। छूट का दावा करने के लिए ये प्रूफ होना जरूरी है। होम लोन का साल भर में 2 लाख रुपये तक का ब्याज कर मुक्त होता है। होम लोन पर लगने वाले प्रिंसिपल एमाउंट को 1.5 लाख रुपये की धारा 80सी के तहत छूट सीमा में रखा गया है।

फॉर्म 26Aएः आईटीआर दाखिल करने से पहले आपको सैलरी अकाउंट वाले बैंक से फॉर्म 26ँए हासिल कर लेना चाहिए। यह किसी व्यक्ति का सालाना कंसोलिडेटेड टैक्स स्टेटमेंट होता है। इसमें एम्प्लॉयर के द्वारा काटा गया टीडीएस, बैंक द्वारा काटा गया टीडीएस, किसी अन्य संस्था द्वारा आपको भुगतान पर काटा गया टीडीएस, आपके द्वारा जमा किये गये एडवांस सेल्फ असेसमेंट टैक्स आदि का पूरा ब्योरा होता है।

कैपिटल गेन्सः यदि किसी व्यक्ति को प्रॉपर्टी, म्यूचुअल फंड या शेयरों की बिक्री से साल के दौरान कोई कैपिटल गेन्स यानी पूंजीगत लाभ हुआ है तो उसे इसका ब्योरा आईटीआर फॉर्म में देना होता है।

सरकार ने जीएसटी मुनाफाखोरी-रोधी जांच को पूरा करने की समय सीमा मार्च, 2021 तक बढ़ाई

नयी दिल्ली। सरकार ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) मुनाफाखारी रोधी जांच को पूरा करने की समयसीमा बढ़ाकर 31 मार्च, 2021 कर दी है। पहले यह जांच इस साल नवंबर तक पूरी होनी थी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने एक अधिसूचना के जरिये जीएसटी कानून की धारा 171 के तहत डीजीएपी जैसे प्राधिकरणों द्वारा इस तरह की जांचों को पूरा करने की समयसीमा बढ़ाकर 31 मार्च, 2021 कर दी है। इससे पहले सितंबर में सीबीआईसी ने इस समयसीमा को बढ़ाकर 30 नवंबर, 2020 किया था। जीएसटी कानून की धारा 171 मुनाफाखोरी रोधी उपायों से संबंधित है। जीएसटी कानून के तहत एक राष्ट्रीय मुनाफाखोरी रोधक प्राधिकरण (एनएए) तथा मुनाफाखोरी रोधक स्थायी समिति का गठन किया गया है, जो जीएसटी दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं को नहीं देने से संबंधित शिकायतों की जांच करते हैं। मुनाफाखोरी रोधी महानिदेशालय (डीजीएपी) मुनाफाखोरी की शिकायतों की जांच करता और एनएए को अपनी रिपोर्ट देता है, जो अंतिम आदेश पारित करता है।

WhatsApp Pay : भारत में चार प्रमुख बैंकों के साथ हुआ लाइव, इस तरह देशभर में शुरू हुई यह पेमेंट सर्विस

नई दिल्ली। एजेंसी

वाट्सएप पे (WhatsApp Pay) ने बुधवार को घोषणा की है कि वह अब भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक के साथ भारत में अपने 2 करोड़ से अधिक यूजर्स के लिए लाइव हो गया है। दो साल के इंतजार के बाद फेसबुक के स्वामित्व वाली वाट्सएप पेमेंट सेवा को नवंबर महीने में नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) से 160 बैंकों के साथ यूपीआई पर लाइव जाने की अनुमति मिली थी। वाट्सएप पे के माध्यम से लोग उसी तेजी और आसानी से पैसा भेज सकते हैं जैसे वे वाट्सएप पर संदेश भेजते हैं। फेसबुक फ्यूल फॉर इंडिया वर्चुअल कार्यक्रम में वाट्सएप के प्रमुख (भारत) अभिजीत बोस ने कहा, 'ळझ्ड एक परिवर्तनकारी सेवा है और हमारे पास संयुक्त रूप से हमारी डिजिटल अर्थव्यवस्था और वित्तीय समावेशन के लाभों को बड़ी संख्या में उन उपयोगकर्ताओं के लिए लाने का अवसर है, जिनके पास पहले उनकी पूर्ण पहुंच नहीं थी।'

मैसेजिंग एप का कहना है कि लोग वाट्सएप पे के जरिए सुरक्षित रूप से परिवार के किसी सदस्य को पैसे भेज सकते हैं या नकदी का लेनदेन किये बिना और स्थानीय बैंक में जाए बिना दूर रहकर भी वस्तुओं की कीमतें साझा कर सकते हैं। वाट्सएप पर पेमेंट्स की सुविधा गूगल पे, फोन पे, भीम और अन्य बैंक एप्स की तरह ही यूपीआई (UPI) पर कार्य करती है। इसलिए आपको वाट्सएप के वॉलेट में पैसा रखने की जरूरत नहीं है। आप अपने बैंक अकाउंट से सीधे पेमेंट कर सकते हैं। जब आप पेमेंट्स के लिए रजिस्टर करेंगे, तो वाट्सएप एक फ्रेश यूपीआई आईडी क्रिएट करेगा। आप एप के पेमेंट्स सेक्शन पर जाकर इस आईडी को देख सकते हैं। आप हर उस व्यक्ति को वाट्सएप पेमेंट्स (WhatsApp Payments) का उपयोग करके धन भेज सकते हैं, जिसके पास यूपीआई है, चाहे यह भीम, गूगल पे या फोन पे जैसे अन्य ऐप के जरिए हो। अगर धन पाने वाला वाट्सएप पेमेंट्स पर रजिस्टर नहीं है, तो भी उसे धन भेजा जा सकता है। इसके लिए वाट्सएप 'enter UPI ID' का विकल्प प्रदान करता है। आप यहां धन पाने वाले की भीम, गूगल पे, फोन पे या दूसरी यूपीआई आईडी दर्ज कर धन भेज सकते हैं।

डिजिटल इंडिया में भारतीय डाक हुआ एडवांस

अब 'डाकपे' ऐप से भेजें पैसे और करें बिल का भुगतान

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

डाक विभाग (भारतीय डाक) और भारतीय डाक भुगतान बैंक (आईपीपीबी) के उपभोक्ता अब ऐप 'डाकपे' के जरिये बैंकिंग सेवाओं का परिचालन कर सकते हैं। संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने मंगलवार को इस ऐप की शुरुआत की। डाकपे देशभर में भारतीय डाक और आईपीपीबी द्वारा डाक नेटवर्क के जरिये प्रदान की जाने वाली डिजिटल वित्त और बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराएगा।

पैसे भेजना और बिल भुगतान हुआ आसान

डाकपे कई तरह की सेवाओं यानी पैसा भेजने, क्यूआर कोड को स्कैन करने सेवाओं के लिए तथा दुकानों पर डिजिटल तरीके से भुगतान करने में मदद करेगा। इसके अलावा यह ग्राहकों को देश में किसी भी बैंक के साथ इंटरऑपरेबल बैंकिंग सेवाएं भी उपलब्ध कराएगा। प्रसाद ने इस ऐप का शुभारंभ करते हुए कहा कि डाकपे से भारतीय डाक की विरासत और समृद्ध होगी, जो आज देश के सभी परिवारों तक पहुंचने वाली है। उन्होंने कहा, ''यह एक नवोन्मेषी सेवा है, जो सिर्फ बैंकिंग सेवाओं और डाक उत्पादों तक ऑनलाइन पहुंच ही उपलब्ध नहीं कराती है, बल्कि यह एक विशिष्ट अवधारणा है जिसमें कोई ऑर्डर देकर डाक वित्तीय सेवाओं को अपने घर के दरवाजे पर पा सकता है।'' डाक सचिव और आईपीपीबी बोर्ड के चेयरमैन प्रदिप्ता कुमार बिसोई ने कहा कि डाकपे एक सुगम भुगतान समाधान पेश करता है। इसके जरिये गाहक सभी बैंकिंग और भुगतान उत्पाद और सेवाएं ऐप के जरिये या डाकिये की सहायता से हासिल कर सकते हैं।

इन कार्यों को करने से यमराज को अपने सामने पायेंगे

हिन्दू शास्त्रों में कहा गया है कि वैसे तो पाप से कोई भी अछूता नहीं है, लेकिन फिर भी कुछ ऐसे पाप है जिन पर ध्यान देना जरूरी है। अन्यथा आप धीरे-धीरे मौत के नजदीक पहुंच जाएंगे। ऐसे कार्यों को करने से द्वार पर खड़े हो जाते हैं यमराजष्ठअतः प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में मन, वचन, कर्म से एक रहना चाहिए। इस पर ध्यान देना चाहिए। ऐसे कई लोग है जिनके पाप उजागर हो जाते हैं और कुछ के नहीं। जिनके उजागर नहीं होते तो इसका यह मतलब नहीं कि वे बचे हुए हैं। सभी को अपने कर्मों के अच्छे या बुरे परिणाम भुगतने ही होते हैं। धर्म शास्त्र महाभारत में व्यावहारिक जीवन से जुड़े ऐसे ही पाप कर्म बताए गए हैं। जिनको करने से व्यक्ति पाप का भागी बनता है और ऐसे पापों का बढ़ना ही अंत का कारण बनता है। अर्थात द्वार पर यमराज को खड़ा देखना। जानिए

■शराब पीना ■शराब बेचना ■चुगली करना ■गर्भ हत्या करना ■क्रूर स्वभाव वाला ■जहर देना ■धर्म या ईश्वर का विरोध ■वेद की बुराई करना ■हथियार बनाना या बेचना ■गुरु की स्त्री से संबंध ■परायी स्त्री को बुरी नजर से देखना

■परायी स्त्री से बुरा व्यवहार या संबंध बनाना ■वाचालता या बकवास करना ■खुद के शरीर के प्रति लापरवाह ■मित्र के साथ विश्वासघात करना ■घर में आग लगाना या कलह करवाना ■शक्तिशाली होते हुए किसी के द्वारा रक्षा की मांग करने पर भी उसके साथ हिंसा करना।

दूसरों में दोष निकालने के बजाय खुद की कमियों पर भी ध्यान देना जरूरी है। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं तो कई तरह की परेशानियों से घिर जाते हैं। जो भी लोग खुद को निर्दोष या निष्पाप समझ रहे हैं उन्हें जरा खुद के भीतर भी झांक लेना चाहिए। जो व्यक्ति खुद के गुण या अवगुण नहीं देख पाता है वह भी पाप की श्रेणी में ही आता है।

केतु को ऐसे करें प्रसन्न

जन्मकुंडली में अन्य ग्रहों के साथ-साथ राहु और केतु का भी विशेष महत्व है। ये दोनों एक ही सिक्के के दो पहलु की तरह एक दूसरे से विपरीत हैं, लेकिन इनका कुंडली में शुभ या अशुभ होना आपको सबसे अधिक प्रभावित करता है। केतु की बात की जाए, तो यह पराक्रम का प्रतीक है। लेकिन जब अशुभ फल देता है, तो जातक के पैरों के नाखून झड़ने लगते हैं, मूत्र संबंधी या जोड़ों की बीमारी हो जाती है और संतान को भी कष्ट होता है। अगर केतु आपकी कुंडली में अशुभ फल दे रहा है, तो नीचे बताए जा रहे उपाय आपके लिए शुभफलदायी रहेंगे

सरल उपाय

■गणेश जी की आराधना करें। ■गणेश चतुर्थी का व्रत करें। ■तिल, नींबू एवं केले का दान करें। ■कुत्ते को रोटी डालें। ■चरित्र ठीक रखें और पाप कर्मों से बचें।

ऐसे करें शनि देव की पूजा, सभी कष्टों से मिलेगा छुटकारा

शनिवार के दिन शनि देव की पूजा करना लाभकारी माना जाता है. शनि देव को न्याय का देवता माना जाता है. यदि गलती के कारण किसी पर शनि भारी या शनि की तिरछी नजर पड़ जाए तो उस मनुष्य के सभी सुख-सुविधा नष्ट हो जाती है. लेकिन अगर किसी पर शनि देव प्रसन्न हो जाए तो उसकी लाइफ में कोई दिक्कत नहीं होती है।

■शनि देव का वरदान कुंडली में मौजूद दोषों को दूर कर देते हैं. शनि देव की पूजा करते वक्त इन बातों का ध्यान रखने से सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। ■शनिवार के दिन शनि देव को सरसों के तेल से दीपक सुबह शाम जरूर जलाएं। ■यदि आप इस दिन व्रत करते है तो काले वस्त्र पहने इसे शनि देव प्रसन्न होते हैं। ■पूजा करते समय शनि आरती बोलें और पूजा के बाद राहु और केतु की पूजा भी करें। ■शनिवार के दिन किसी काले कुत्ते को रोटी खिलाये ये कौए को भी रोटी खिला सकते है। ■यदि कुछ दान करना चाहते है तो गरीबो को सरसों का तेल , गुड, आटा और वस्त्र दान करें। ■यदि शनि मंदिर के पास कोई पीपल का पेड़ है तो पीपल के पेड़ पर जल सींच कर उसके सात बार परिक्रमा करें।

हर उंगली का अलग महत्व है माथे पर तिलक लगाने का

तिलक कोई भी शुभ काम या किसी पूजा के समय माथे पर तिलक लगाने की परम्परा पुराने समय से है सूने माथे को मांगलिक कार्य के वक्त अशुभ माना जाता है तिलक लगाने और लगवाने के कई फायदे होते हैं साथ ही इनकी वजह से सफलता इंसान के कदम चूमती है।

■तिलक लगाने और लगवाने से जीवन में यश वृद्धि, संतान लाभ, ज्ञान की वृद्धि, मनोबल का बराबर बरकरार रहना, मां सरस्वती और मां लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहती है। ■शास्त्रों के नियमानुसार, बिना तिलक पाठ-पूजन, गुरु-दर्शन, देव पूजन व देव दर्शन, पूजन और अर्क व तर्पण इत्यादि को निषेध माना जाता है। ■तंत्र शास्त्र में मानव शरीर का तेरह भागों पर तिलक लगाने या लगवाने विधि-विधान है। ■समस्त तेरह भागों को संचालित करने का मुख्य कार्य मस्तक का होता है इसलिए माथे पर तिलक लगाने या लगवाने की शुभ होता है।

तिलक लगाते और लगवाते वक्त करें ये काम

■तिलक लगाने या लगवाने में दाहिने हाथ की उंगली के साथ अन्य का भी महत्व होता है हाथ की कनिष्ठा उंगली यानी सबसे छोटी उंगली से तिलक नहीं लगाया जाता है। ■प्रथम उंगली अनामिका जो कि सूर्य ग्रह की प्रदत्त उंगली है। ■यह सुख-शांति प्रदान करने वाली साथ ही सूर्य देवता के समान तेजस्वी, ज्ञानार्थ, कांतिमय मानसिक शांति प्रदान करती है। ■द्वितीय उंगली मध्यमा उंगली है, जो कि शनि ग्रह से संबंधित रहती है यह उंगली मानव की आयु की वृद्धि प्रदान का कारक है। ■तृतीय उंगली तर्जनी है, जो गुरु ग्रह बृहस्पति की प्रदत्त उंगली है इस उंगली से तिलक लगाने से मोक्ष मिलता है यानी कि यह जीवनचक्र (आवागमन) से मुक्ति प्रदान करने वाली उंगली है।

इन मंत्रों का जाप करने से स्वयं ईश्वर करेंगे आपकी रक्षा

हर इंसान ये चाहता है कि उसका हर काम सरलता से पूरा हो जाए। लेकिन अक्सर जब भी हम कोई कार्य करने चलते हैं तो कोई न कोई परेशानी या कठिनाई आ ही जाती है। कभी सोचा है ऐसा क्यों है। नहीं न, तो हम बताते हैं कि ऐसा क्यों है। दरअसल सम्पूर्ण ब्रह्मांड ग्रहों द्वारा नियंत्रित है। ग्रह ही हमारी सफलता और असफलता के कारक होते हैं। ग्रहों का अच्छा और बुरा प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है। जिसका असर साफ तौर पर हमारे कार्यों झलकता है। लेकिन इन ग्रहों के बुरे प्रभाव से बचाव के तरीके भी हैं। वह तरीका है, बुरे ग्रहों का प्रभाव खत्म करने के लिए उस ग्रह से उग्र और शक्तिशाली शक्ति का साथ। हम यहां आपको ऐसे दो महामंत्र बताने जा रहे हैं, जिनमे से आप किसी भी एक मंत्र का जाप या पाठ कर सकते हैं। यकीन मानिए परेशानियां खत्म हो जाएंगी और आपका जीवन खुशहाल होने लगेगा।

हनुमान चालीसा

हिंदू धर्म में हनुमान चालीसा एक भक्ति भजन है जो हनुमान की उपासना में गाया जाता है। इसमें हनुमान पर 40 चौपायी या छंद है। इसीलिये इसे चालीसा कहा जाता है जिसका अर्थ है चालीस या 40। हनुमान चालीसा आंतरिक मन को झंझोरने के लिये पढ़ा जाता है। पाठकों को यह पता होता है कि वह जो दोहरा रहा है, वह उसके मन को शुद्ध कर देगा।

हनुमान चालीसा बाधाओं को खत्म करता है। हनुमान शक्तिशाली और ताकतवर हैं। वह हमारे भीतर की हिम्मत को जगाते हैं। इसलिये ऐसा विश्वास है कि हनुमान चालीसा का जाप करने से कुछ अच्छा ही होगा। यह एक प्रकार की भक्ति है और गीत सुनने से बिल्कुल अलग है। जैसे ही आप जाप शुरु करते हैं, वैसे ही आपके हृदय के द्वार खुलने लगते हैं। विज्ञान भी इस जाप के प्रभावों की व्याख्या नहीं कर सकते हैं। यह प्रमाणित है कि इससे लाखों लोग लाभावित हुये हैं। कोई भी चीज ज्यादा दिनों तक नहीं चल सकती अगर वह सच्चे ज्ञान पर आधारित ना हों।

गायत्री मंत्र

मंत्र के द्वारा मन को शुद्ध किया जाता है। अगर आपको मानसिक शुद्धि चाहिये तो आप गायत्री मंत्र का जाप कर सकते हैं। यह मंत्र मन की शुद्धि के लिये ही जाना जाता है। गायत्री मंत्र का जाप बड़ी ही श्रद्धा और निष्ठा के साथ किया जाना चाहिए। मंत्र इस प्रकार है :

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्

इस मंत्र का जाप करने वाले को अपनी आत्मा के साथ संबंध स्थापित करने का और उस पथ पर बने रहने का मौका मिलता है जहां उसे दिव्य रौशनी महसूस होती है। हर रोज सुबह शारीरिक नित्य क्रिया से निपटने के बाद इस मंत्र का अभ्यास करें।

गायत्री मंत्र मन को शांत करता है और जब मन शांत हो जाता है तो यह सांसारिक भ्रम को तोड़ देता है और फिर आपको किसी भी भौतिक सुख-सुविधाओं की जरूरत महसूस नहीं होती। उस वक्त आप अपनी अंतरात्मा या भगवान से बात कर सकते हैं। हर कोई आध्यात्मिक है लेकिन हम अपने मन को खुद पर हावी होने देते हैं।

पियाजिओ इंडिया ने की अप्रिलिया एसएक्सआर 160 के प्री बुकिंग की शुरूआत

पुणे। आईपीटी नेटवर्क

पियाजिओ इंडिया ने उनके जल्द ही लॉंच होनेंवाली अप्रिलिया श्रेणी की एसएक्सआर 160 इस प्रिमियम स्कूटर के प्री बुकिंग की शुरूआत करनें की घोषणा की। यह बहुप्रतिक्षित प्रिमियम स्कूटर है, एसएक्सआर 160 का उत्पादन बारामती स्थित उत्पादन केंद्र में शुरू हो चुका है। अब यह स्कूटर आप www.shop.apriliaindia.com इस वेबसाईट के साथ आप के नजदिकी अप्रिलिया डिलरशिप को भेट देकर रू. 5000 में प्री बुक कर सकते है। बहुप्रतिक्षित प्रिमियम स्कूटर अप्रिलिया एसएक्सआर 160 में अप्रिलिया का विश्वस्तरीय डिज़ाईन है। इन में उच्च क्षमता से युक्त 160 सीसी बीएस 6 इंजन, थ्री वॉल्व फ्युएल इंजेक्शन क्लीन एमिशन इंजन तंत्रज्ञान के कारण अधिक शक्ती और टॉर्क प्राप्त होकर चालक को अनोखा राईडिंग अनुभव प्राप्त होता है। इस मे अनेक विशेषताओं के साथ रैप अराऊंड एलईडी हेडलाईट्स, एलईडी टेल लाईट्स, फुल डिजिटल क्लस्टर, मोबाईल कनेक्टिविटी का पर्याय, लंबी, बड़ी और आरामदायक सिटींग, एडजस्टेबल रिअर सस्पेन्शन, एबीएस के साथ डिस्क ब्रेक और अप्रिलिया का सिग्नेचर ग्राफिक्स का समावेश है। भारतीय परिस्थिती के अनुसार इटली में डिज़ाईन किए गए एसएक्सआर 160 में अनोखी स्टाईल, कार्यक्षमता और आरामदायक चलाने का अनुभव का सुयोग्य मिश्रण किया गया है, इन में आकर्षक अर्गोनॉमिक्स का समावेश किया गया है।

पियाजिओ इंडिया के चेअरमन और व्यवस्थापकीय संचालक श्री दिएगो ग्राफ्फी ने कहा ' उत्पादन केंद्र से हमारी प्रिमियम स्कूटर रहीं अप्रिलिया एसएक्सआर 160 का निर्माण होते देख खुशी का अहसास हो रहा है। 2020 साल कई चुनौतीयों से भरा है पर बहुप्रतिक्षित स्कूटर जल्द से जल्द लानें का हमारा वचन पूर्ण करनें के लिए हम वचनबध्द है। हमें यह घोषणा करतें हुए खुशी हो रही है की एसएक्सआर 160 का बुकिंग हम हमारें प्रतिष्ठित ग्राहकों के लिए ई कॉमर्स मंच और संम्पूर्ण भारत में फैली हमारी डिलरशिप्स के माध्यम से शुरू कर रहे है। हमारा यह विश्वास है की अप्रिलिया एसएक्सआर 160 अगली पिढी के डिज़ाईन और तंत्रज्ञान की विशेषताओं के कारण अप्रिलिया के फैन्स में अनोखी छबी निर्माण करेगी। अप्रिलिया एसएक्सआर आकर्षक ग्लॉसी रेड, मैट ब्ल्यू, ग्लॉसी व्हाईट और मैट ब्लैक इन रंगों में उपलब्ध है.

67 साल बाद होगी एयर इंडिया की घर वापसी, टाटा संस ने लगाई बोली

नई दिल्ली। एजेंसी

देश के सबसे बड़े औद्योगिक समूह टाटा ग्रुप ने संकट से जूझ रही सरकारी एयरलाइन एयर इंडिया को खरीदने के लिए अभिरुचि पत्र (expression of interest) सौंप दिया है। सूत्रों के मुताबिक टाटा ग्रुप ने बीते सप्ताहांत एयर इंडिया के लिए बोली सौंपी। इस तरह एयर इंडिया की 53 साल बाद घर वापसी हो सकती है। माना जा रहा है कि टाटा ने इसके लिए एयरएशिया इंडिया का इस्तेमाल किया है जिसमें टाटा संस की बहुलांश हिस्सेदारी है। एयर इंडिया के 200 कर्मचारियों के भी ईओआई सौंपने की उम्मीद है। एयर इंडिया के लिए ईओआई सौंपने की समयसीमा पुरी हो चुकी है। स्पाइसजेट के अजय सिंह की भी एयर इंडिया पर नजर है लेकिन कंपनी ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार किया है। सरकार ने 2018 में भी एयर इंडिया को बेचने की कोशिश की थी लेकिन तब इसके लिए कोई आगे नहीं आया था। लेकिन इस बार कई कंपनियों ने इसमें दिलचस्पी दिखाई है।

1953 में राष्ट्रीयकरण

उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पिछले साल कहा था कि अगर एयर इंडिया का निजीकरण नहीं किया गया तो इसे बंद करना पड़ सकता है। पुरी ने रविवार को कहा कि एयर इंडिया का निजीकरण एक गोपनीय प्रक्रिया है। संबंधित विभाग (डीआईपीएएम) उचित समय पर टिप्पणी करेगा। टाटा ग्रुप ने 1932 में टाटा एयरलाइंस के नाम से एयर इंडिया की शुरुआत की थी। भारत सरकार ने 1953 में एयर इंडिया को अपने अधिकार क्षेत्र में ले लिया।

कच्चे जूट की आपूर्ति में सुधार की संभावना

कोलकाता। एजेंसी

जूट की मिलें अब कुछ राहत का सांस ले सकती हैं। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने जूट गांठ रखने वालों (बेलर) से कहा है कि वे जूट क्षेत्र के नियामक के निर्देशों का अनुपालन करते हुए अधिकतम 500 क्विन्टल का स्टॉक रख सकते हैं। स्टॉक रखने की सीमा पहले 1,500 क्विन्टल थी। उद्योग सूत्रों के अनुसार न्यायालय के इस फैसले के कारण बाजार में 12 से 15 लाख गांठ के आने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इससे जूट मिलों को फूड पैकेजिंग के लिए गनी बैग के लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलेगी जिन्हें 2.5 लाख गांठ से अधिक की कमी का सामना करना पड़ रहा है। जूट गांठ के 500 क्विंटल का स्टॉक रखने का आदेश नवंबर की शुरुआत में जूट आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी किया गया था। उस समय जूट की कीमत 4,225 रुपये के एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) के मुकाबले 6,000 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक हो गई थी। जूट नियामक को अदालत ने कहा कि यदि कोई स्टॉकिस्ट आवेदन करे तो नियामक कोई कार्रवाई किए बिना, समय सीमा को बढ़ाने की अनुमति देने पर विचार करें।

Vodafone Idea ने लॉन्च किया वाईफाई कॉलिंग फीचर

अब बिना नेटवर्क कर सकेंगे कॉल

नई दिल्ली। अगर आप Vodafone Idea यूजर्स हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है कि कंपनी ने लंबे इंतजार के बाद आखिरकार वाईफाई कॉलिंग फीचर को रोलआउट कर दिया है। यानि अब Vodafone Idea यूजर्स बिना नेटवर्क के भी कॉलिंग का मजा ले सकेंगे। बता दें कि Airtel और Reliance Jio ने पिछले साल ही वाईफाई कॉलिंग फीचर को पेश कर दिया था। जबकि Vodafone Idea को इसके लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। लेकिन अभी भी यह सर्विस केवल दो ही सर्किल्स में उपलब्ध होगी। Telecomtalk की रिपोर्ट के अनुसार Vodafone Idea ने फिलहाल अपनी वाईफाई कॉलिंग सर्विस को महाराष्ट्र-गोवा और कोलकाता सर्किल्स में ही लॉन्च किया है। जिसका मतलब है कि अभी केवल इन दो सर्किल्स के यूजर्स ही इस सर्विस का लाभ उठा सकेंगे। लेकिन कंपनी जल्द ही चरणबद्ध तरीके से अपनी इस सर्विस को दूसरे सर्किल्स में भी पेश करेगी।

Telecom Talk रिपोर्ट के मुताबिक की कस्टमर केयर सपोर्ट टीम ने कहा, 'नमस्ते! वाई-फाई कॉलिंग (वाई-फाई कॉलिंग) एक एकीकृत सेवा है जो आपको वायरलेस इंटरनेट कनेक्शन जैसे कि आपके होम ब्रॉडबैंड, कार्यालय ब्रॉडबैंड या सार्वजनिक वाई-फाई पर वॉइस कॉल करने और प्राप्त करने की अनुमति देती है। इससे आपको कम नेटवर्क कवरेज वाले क्षेत्रों में वॉयस कॉल करने में मदद मिलेगी। यह महाराष्ट्र और गोवा, कोलकाता सर्किल के लिए लागू है और 15 दिसंबर 2020 से उपलब्ध हो गई है।'

भारत बनेगा इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग का हब, 5 साल में बनेंगे एक अरब फोन

नई दिल्ली। एजेंसी

संचार मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने कहा है कि अगले 5 साल में भारत का 100 करोड़ मोबाइल फोन, पांच करोड़ टेलीविजन सेट और पांच करोड़ आईटी उपकरण (लैपटॉप और टैबलेट) के उत्पादन करने का लक्ष्य है। प्रसाद ने कहा कि देश में फिलहाल 4जी काम कर रहा है और 5जी का परीक्षण जल्द शुरू होने जा रहा है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक वर्चुअल आयोजन में उन्होंने मंगलवार को यह दावा किया। प्रसाद ने कहा, 'आगामी पांच वर्ष में भारत एक अरब मोबाइल फोन, पांच करोड़ टीवी सेट और पांच करोड़ आईटी हार्डवेयर उपकरणों मसलन लैपटॉप और टैबलेट का उत्पादन करना शुरू कर देगा। यह आगामी पांच वर्ष के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का हमारा लक्ष्य है।' उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि आगामी पांच वर्ष में देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था 1,000 अरब डॉलर पर पहुंच जाए।

अभी कितनी है भारत की हिस्सेदारी

इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के अनुसार नीतिगत हस्तक्षेप से भारत अपनी लैपटॉप और टैबलेट विनिर्माण की क्षमता को 2025 तक 100 अरब डॉलर पर पहुंचा सकता है। ईवाई और आईसीईओ की एक जॉइंट रिपोर्ट के मुताबिक लैपटॉप और टैबलेट मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने से ग्लोबल मार्केट में भारत की हिस्सेदारी 26 फीसदी तक पहुंच सकती है जो अभी 1 फीसदी है।

नए साल से महिंद्रा के यात्री, वाणिज्यिक वाहन महंगे होंगे

नयी दिल्ली। एजेंसी

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अगले महीने से अपने यात्री और वाणिज्यिक वाहनों की समूची श्रृंखला की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। कंपनी ने उत्पादन लागत में वृद्धि के मद्देनजर यह फैसला किया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने मंगलवार को बयान में कहा कि एक जनवरी से उसके यात्री और वाणिज्यिक वाहनों के दाम बढ़ जाएंगे। मुंबई की कंपनी ने कहा कि जिंसों के दाम बढ़ने और अन्य विभिन्न उत्पादन लागत में बढ़ोतरी की वजह से उसे यह कदम उठाना पड़ रहा है। कंपनी ने कहा कि उसके विभिन्न मॉडलों के दाम कितने बढ़ेंगे, इसकी सूचना वह बाद में देगी। महिंद्रा थार और स्कॉर्पियो जैसे मॉडलों की बिक्री करती है। पिछले सप्ताह फोर्ड इंडिया ने एक जनवरी से अपने विभिन्न मॉडलों की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की थी। इससे पहले देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने जनवरी से अपने वाहनों के दाम बढ़ाने की घोषणा की थी। कंपनी ने कहा था कि विभिन्न मॉडलों की कीमतों में बढ़ोतरी भिन्न-भिन्न होगी।

बिजनेस RBI ने बैंक अकाउंट खोलने के नियम में किया बदलाव

नई दिल्ली। एजेंसी

Reserve Bank of India (RBI) ने नए चालू खाता (Current Account) नियमों में कुछ राहत देने की घोषणा की है। नये नियम 15 दिसंबर से ही लागू हो चुके हैं। नए नियमों के अनुसार सभी कमर्शियल बैंक्स और पेमेंट बैंक्स (Payments Banks) को RBI के 6 अगस्त को जारी किए गए सर्कुलर को देखते हुए राहत देने का काम किया गया है। इसमें रिजर्व बैंक ने इनके लिए बैंकों द्वारा चालू खाता खोलने के लिए कुछ तय शर्तें रख दी थीं। लेकिन अब आरबीआई ने अपने सर्कुलर में कहा है कि कुछ अकाउंट्स को उन नियमों से छूट दी गई है।

आप भी जानें क्या था 6 अगस्त का सर्कुलर

रिजर्व बैंक (RBI) का पुराना सर्कुलर 6 अगस्त को जारी किए गए रिजर्व बैंक के सर्कुलर के अनुसार, रिजर्व बैंक ने बैंकों के उन ग्राहकों का करंट अकाउंट खोलने पर रोक लगाने का काम किया था, जिन्होंने बैंकिंग सिस्टम से कैश क्रेडिट या ओवरड्राफ्ट (Overdraft) के रूप में क्रेडिट फैसिलिटी लिया हो। नए सर्कुलर पर नजर डालें तो ग्राहकों को उसी बैंक में अपना Current Account या ओवरड्राफ्ट अकाउंट खुलवाना जरूरी होगा, जिससे वो लोन लेने का काम कर रहे हैं।

ऐसे ग्राहकों पर होगा लागू

ये नियम उन ग्राहकों पर लागू होंगे जिन्होंने बैंकों से 50 करोड़ रुपये से ज्यादा का लोन लेने का काम किया है। रिजर्व बैंक ने कहा है कि अमूमन ऐसा देखा गया है कि ग्राहक लोन (Loan) किसी एक बैंक से लेते हैं और करंट अकाउंट किसी दूसरे बैंक में जाकर खुलवा लेते हैं। ऐसा करने से कंपनी का कैशफ्लो ट्रैक करने में दिक्कत होती है। ऐसे में कोई भी बैंक ऐसे ग्राहकों का चालू खाता न खोलें जिन्होंने कैश क्रेडिट या फिर ओवरड्राफ्ट की सुविधा किसी और बैंक से ले रखी है।

रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में छूट

रिजर्व बैंक के नए सर्कुलर पर नजर डालें तो इसमें रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स को छूट देने का काम किया गया है। दरअसल, रियल एस्टेट कंपनियों को Real Estate (Regulation and Development) Act, 2016 के तहत खरीदारों से लिया गया 70 परसेंट पैसा एस्क्रो अकाउंट में रखने की जरूरत होती है। उन्हें इस बात की छूट दी गई है कि वे कहीं भी अकाउंट खोल सकते हैं. साथ ही पेमेंट एग्रीगेटर्स को भी करंट अकाउंट खोलने की शर्तों में छूट दी गई है।

डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड सेटलमेंट

रिजर्व ने डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड/ATM कार्ड जारी करने वाले और लेने वालों को भी सेटलमेंट के लिए FEMA के नियमों के तहत करंट अकाउंट के नियमों से छूट देने का काम किया है। यही नहीं IPO, NFO, FPO, शेयर बायबैक, डिविडेंड पेमेंट, कमर्शियल पेपर्स जारी करने, डिबेंचर्स के आवंटन, ग्रेच्युटी वगैरह के लिए भी करंट अकाउंट खोलने की शर्तों से छूट दी गई है।

बढ़ानी होगी मॉनिटरिंग

रिजर्व बैंक ने करंट अकाउंट खोलने की शर्तों में छूट देने के साथ ही बैंकों को सचेत रहने को भी कहा है। बैंक से कहा है कि ये छूट शर्तों के साथदेने का काम किया जा रहा है। बैंक इस बात को आश्वस्त करेंगे कि इसका इस्तेमाल कुछ तय ट्रांजैक्शन के लिए ही किया जा रहा है। बैंक इसकी आसानी से मॉनिटरिंग कर सकें इसके लिए CBS में इन्हें दिखाने का काम करें। आगे आरबीआई ने बैंकों को निर्देश दिया है कि कैश क्रेडिट/ओवरड्राफ्ट को रेगुलर मॉनिटर करें।

गोमैकेनिक अब इंदौर में भी; इंदौर के लिए कार सर्विस अब और भी आसान

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

गोमैकेनिक ने, जो अब भारत का सबसे बड़ा टेक्नोलॉजी-इनेबल्ड कार सर्विस नेटवर्क है, 11 दिसंबर, 2020 को इंदौर में 10 से अधिक सर्विस सेंटर्स के साथ टियर-2-सिटी-एक्सटेंशन-ड्राइव के तहत अपने एक्सपैंड करने की घोषणा की । भारत 3 करोड़ से अधिक गाड़ियों व इंडिविजुअल इंडिपेंडेंट वर्कशॉप्स के 3 लाख से अधिक अनऑर्गनिज़ेड आफ्टर-सेल्स नेटवर्क का घर है। इस क्षेत्र में ग्राहकों को आम तौर पर प्रमुख मुद्दे जैसे ऑटो पार्ट्स की जेन्युइन रिप्लेसमेंट, ओवरचार्जिंग अथवा सही उपाय की कमी का सामना करना पड़ता है। इन मुद्दों को हल करने के लिए गोमैकेनिक क्वालिटी पर बिना किसी समझौते के कार रिपेयर्स व सर्विस पे कंपनी डीलरशिप्स के मुकाबले 40ङ्क तक सस्ते दामों के साथ-साथ जेन्युइन पार्ट्स प्राप्त करता है। और तो और , कंपनी के नेटवर्क के सभी सर्विस सेंटर किसी भी कार की सर्विस करते समय मैन्युफक्चरर द्वारा निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करते हैं। अपनी वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से गोमैकेनिक अपने ग्राहकों को मूल्य प्रदान करने में विश्वास रखता है और उसके लिए यह प्रोफेशनली ट्रेंड मैकेनिक और कार के मुफ्त पिक एंड ड्रॉप के साथ बिना किसी छिपे खर्चे के, सस्ता, ट्रांसपेरेंट और किफायती दाम सुनिश्चित करता है। इसका उद्देश्य एक ऐसा ब्रांड बनना है जिसपे ग्राहक अपनी सभी कार की देखभाल से जुड़ी चिंताओं का भरोसा कर सके । मार्केट एंट्री पर टिप्पणी करते हुए, कुशल करवा, IIM-A 2012 के पूर्व छात्र और गोमैकेनिक के को-फाउंडर ने कहा, 'हमें इंदौर में प्रवेश करने की खुशी है, इसे हम कार सर्विसिंग के लिए भारत में बहुत ही काबिल बाजारों में से एक मानते हैं। इंदौर में कारों की तादात काफ़ी ज़्यादा है और यहाँ गाहक अपनी सर्विसिंग और एक्सीडेंट्स वाले रिपेयर के लिए काफी अधिक भुगतान कर रहे हैं। इसलिए, हमारे मूल्य प्रस्ताव को इस शहर में त्वरित और अधिक स्वीकृति मिलना सुनिश्चित है। ' सर्विस सेंटर्स , स्पाएर पार्ट्स की दुकानों और वेयरहाउसों के हमारे 360-डिग्री इकोसिस्टम के साथ, हम इंदौर के लोगों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं के पोर्टफोलियो को लगातार एक्सपेंड करने की योजना बना रहे हैं ।'

ऐतिहासिक ऊंचाई पर शेयर बाजार, करीब 300 शेयरों में अपर सर्किट लगा

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

हफ्ते के तीसरे दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में खुला है। सेंसेक्स-निफ्टी रिकॉर्ड ऊंचाई पर खुले हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 310 अंकों की तेजी के साथ 46,573 पर खुला, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 96 अंकों की तेजी के साथ 13,663.10 खुला।

बर्गर किंग के शेयर में फिर 20% का अपर सर्किट

नई ऐतिहासिक ऊंचाई

सकारात्मक अंतरराष्ट्रीय संकेतों की वजह से बाजार में यह तेजी आयी है। सुबह सिंगापुर के SGX Nifty में 90 अंक की तेजी देखी गयी थी। कारोबार के दौरान सेंसेक्स नई ऐतिहासिक ऊंचाई हासिल करते हुए 46,599.02 पर पहुंच गया, इसी तरह निफ्टी भी रिकॉर्ड ऊंचाई हासिल करते हुए 13,666.45 तक पहुंच गया।

किन शेयरों में आयी तेजी?

शुरुआती कारोबार में 1094 शेयरों में तेजी और 250 में गिरावट आयी। निफ्टी पर बढ़त वाले प्रमुख शेयरों में M&M, ONGC, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, नेस्ले शामिल रहे। मेटल और Auto सूचकांक में 1-1 फीसदी की बढ़त आयी है।

बर्गर किंग में 20 फीसदी का अपर सर्किट

एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन जैस कई शेयर बीएसई पर अपने 52 हफ्ते के ऊपरी स्तर पर पहुंच गये। करीब 300 शेयरों में अपर सर्किट लगाना पड़ा, जिनमें बर्गर किंग भी शामिल है। बर्गर किंग में आज भी 20 फीसदी का अपर सर्किट लगा। यह बुधवार को 199 रुपये पर पहुंच गया। मंगलवार को भी इसमें 20 फीसदी का अपर सर्किट लगा था।

रुपया मजबूत

बुधवार को शुरुआती कारोबार में रुपया थोड़ा मजबूत दिखा है. आज रुपया 17 पैसे मजबूत होकर डॉलर के मुकाबले 73.47 पर खुला. मंगलवार को यह 73.64 रुपये पर बंद हुआ था.

मंगलवार को सपाट था बाजार

हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को सुबह सपाट खुला शेयर बाजार दिन भर उतार-चढ़ाव के बाद आखिरकार सपाट ही बंद हुआ. कारोबार के अंत में सेंसेक्स 9.71 अंक की तेजी के साथ 46,263.17 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 9.70 अंक की तेजी के साथ 13,567.85 पर बंद हुआ.

बेहतर सुधार के चलते जीडीपी में संकुचन 7.4 प्रतिशत तक सीमित रहेगाः एसबीआई रिपोर्ट

मुंबई। एजेंसी

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि बेहतर सुधार के चलते वित्त वर्ष 2020-21 में जीडीपी वृद्धि दर के ऋणात्मक 7.4 रहने का अनुमान है, जबकि पूर्व अनुमान के मुताबिक यह आंकड़ा ऋणात्मक 10.9 प्रतिशत था।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि जीडीपी के महामारी से पूर्व के स्तर पर दोबारा पहुंचने में वित्त वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही से सात तिमाहियों का वक्त लगेगा। एसबीआई की शोध रिपोर्ट - इकोरैप में कहा गया, ''दूसरी तिमाही के बाद आरबीआई और बाजारों के संशोधित पूर्वानुमानों के बाद अब हम उम्मीद करते हैं कि पूरे वर्ष (वित्त वर्ष 2020-21) के लिए जीडीपी में गिरावट 7.4 प्रतिशत रहेगी (हमारे पहले के पूर्वानुमान ऋणात्मक 10.9 प्रतिशत की तुलना में)।'' रिपोर्ट में कहा गया कि संशोधित जीडीपी अनुमान एसबीआई के 'नाउकास्टिंग मॉडल' पर आधारित है, जिसमें औद्योगिक गतिविधियों, सेवा गतिविधियों और वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़े 41 उच्च आवृत्ति संकेतक शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि इस मॉडल के आधार पर तीसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 0.1 प्रतिशत के करीब रह सकती है। इसमें कहा गया कि तीसरी तिमाही में 41 उच्च आवृत्ति वाले अग्रणी संकेतकों में 58 प्रतिशत तेजी दिखा रहे हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।